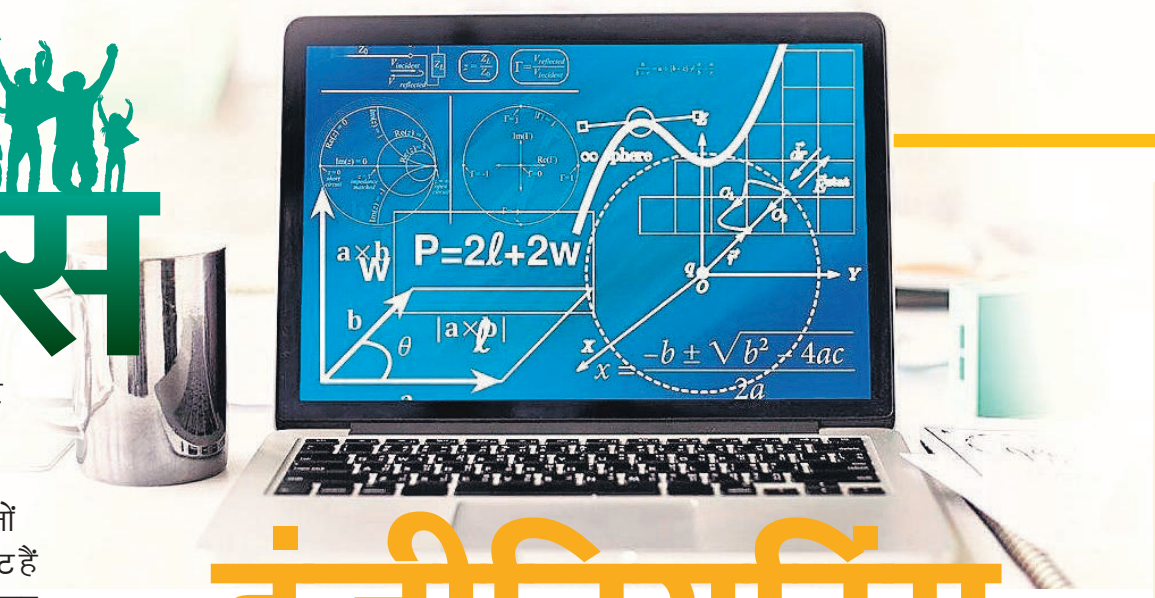

इंजीनियरिंग
अब कम होंगी कंप्यूटर साइंस की सीटें

पिछले दशक में इंजीनियरिंग की कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग जैसी टेक्नोलॉजी उन्मुख शाखाएं छात्रों और कॉलेजों, दोनों की पहली पसंद बन गई थीं। कारण स्पष्ट हैं कि उच्च सैलरी, नौकरी के ग्लोबल अवसर, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी उद्योग की होड़ और डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षाएं। इस सफलता की चमक ने यह सोच दी कि जितना हो सके सीएसई में सीटें बढ़ाओ। तेलंगाना हाईकोर्ट के ताजा फैसले ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि कितनी बढ़ी हुई सीएसई सीटें अभी मांग के अनुरूप हैं? क्या यह वृद्धि स्थिर है या सिर्फ इरादा मात्र है? अगर यह मांग कम हो गई तो क्या भविष्य में बेरोजगारी की लौ में झुलसेंगे छात्र?

हाल ही में तेलंगाना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें कहा गया कि कंप्यूटर साइंस (सीएसई) की सीटें अब और नहीं बढ़ाई जा सकतीं। जिन कॉलेजों ने मनमानी करते हुए हजारों सीटें जोड़ ली थीं, उनकी संख्या घटाई जाएगी। कोर्ट का तर्क साफ था मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ना खतरनाक है। तेलंगाना के इस आदेश ने न सिर्फ वहां के प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों को झटका दिया, बल्कि पड़ोसी राज्यों के लिए भी चेतावनी की घंटी बजा दी। खासकर कर्नाटक ने तो तुरंत संकेत दे दिए हैं कि वे भी इसी दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

राजेश जैन
स्वतंत्र पत्रकार

क्यों बढ़ी कंप्यूटर साइंस की सीटें

पिछले कुछ वर्षों में आईटी सेक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग की तेजी से बढ़ती मांग ने छात्रों व कॉलेजों दोनों को आकर्षित किया। यहां प्लेसमेंट पैकेज और नौकरी के मौके ज्यादा दिख रहे थे। इसलिए सीएसई छात्रों की पहली पसंद बन गई। कॉलेजों ने इसे सुनहरा मौका समझा और एआईसीटी (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) से अप्रूवल लेकर बड़ी संख्या में सीटें बढ़ानी शुरू कर दीं। कुछ कॉलेजों ने तो हद ही कर दी। जहां पहले 200-300 सीटें थीं, वहां अचानक 1500-2000 सीएसई सीटें कर दी गईं।

एआईसीटी का रोल और विवाद

एआईसीटी का नियम है कि कोई भी कॉलेज बिना उसकी मंजूरी के सीट नहीं बढ़ा सकता, लेकिन हाल के वर्षों में संस्था ने काफी लचीला रवैया अपनाया। यदि किसी कॉलेज के पास बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो उसे सीटें बढ़ाने की इजाजत मिल जाती थी। कॉलेज इस नियम का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में सीटें सीएसई में ट्रांसफर करने लगे। समस्या यह है कि एआईसीटी की मंजूरी तकनीकी आधार पर थी, जबकि मार्केट की वास्तविक मांग और भविष्य की संभावनाओं का आकलन नहीं हुआ। यही वजह है कि अब राज्य सरकारें और अदालतें हस्तक्षेप कर रही हैं।

भविष्य की चुनौती: मांग बनाम आपूर्ति

सीएसई और एआई की डिमांड अभी ऊंचाई पर है, लेकिन कोई भी मार्केट अनंत नहीं होता। यदि सीटें लगातार बढ़ती रहीं तो कुछ वर्षों बाद बेरोजगारी का खतरा बढ़ेगा। टेक सेक्टर में छंटनी पहले से देखने को मिल रही है। दूसरी ओर मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या घट रही है। सरकारों को डर है कि यदि यही ट्रेंड जारी रहा तो भारत के पास पुल बनाने वाले इंजीनियर, स्टील इंडस्ट्री के विशेषज्ञ या इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियर नहीं बचेंगे।

तेलंगाना से कर्नाटक तक

तेलंगाना के फैसले के बाद अब कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा है कि वे भी सीएसई सीट फ्रीज करने का नियम लाने पर विचार कर रहे हैं। इससे बड़े यानी टीयर-1 शहरों में प्राइवेट कॉलेजों का अनियंत्रित विस्तार रुकेगा और भविष्य की बेरोजगारी कम होगी। यदि कर्नाटक ऐसा करता है, तो महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर भी दबाव बनेगा। एक बार यह सिलसिला शुरू हुआ तो यह पूरे भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करेगा।

अब क्या होगा

सीएसई सीटें घटेंगी तो एडमिशन की दौड़ और भी कठिन हो जाएगी। छात्रों को मजबूरी में अन्य शाखाओं जैसे- मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल की ओर रुख करना होगा। कॉलेज भी चालाकी दिखाएंगे और कहेंगे कि सीएसई नहीं तो एआई/डेटा साइंस ले लो, लेकिन सरकारें उन पर भी सीमा तय कर सकती हैं। इसलिए अब वह दौर आने वाला है जब छात्रों को अपनी सोच बदलनी होगी और सिर्फ सीएसई पर निर्भर नहीं रहना होगा।

इंजीनियरिंग कॉलेजों की शिक्षा का बड़ा सवाल

भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों की सबसे ज्यादा संख्या महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में है। यदि इन राज्यों ने सीएसई सीटों पर रोक लगा दी तो राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा असर दिखेगा। इंजीनियरिंग शिक्षा का संतुलन फिर से पारंपरिक शाखाओं की ओर झुक सकता है। इससे इंडस्ट्री की जरूरतें भी पूरी होंगी और सभी सेक्टर्स के लिए स्किल्ड इंजीनियर तैयार होंगे।

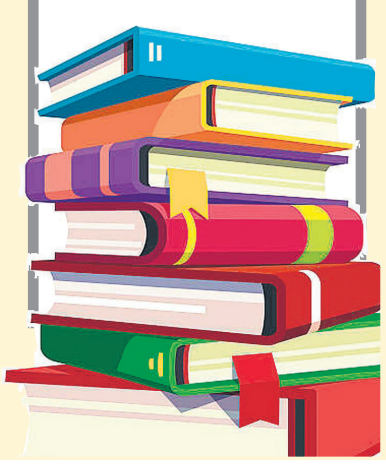

संतुलन ही समाधान

कंप्यूटर साइंस आज की तारीख में चमकदार ब्रांच है, लेकिन हर चमकदार चीज हमेशा टिकाऊ नहीं होती। सरकार और कोर्ट की दलील यही है कि सिर्फ अल्पकालिक डिमांड देखकर सीटें बढ़ाना दूरदर्शिता नहीं है। छात्रों को भी चाहिए कि वे बाकी शाखाओं की संभावनाओं को समझें। इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग, एनर्जी जैसे सेक्टर भी भारत की रीढ़ हैं। आने वाले दो-तीन साल में यह नियम पूरे देश में लागू हो सकता है। ऐसे में छात्रों, अभिभावकों और कॉलेजों को अपनी रणनीति अभी से बदलनी होगी। कुल मिलकर तेलंगाना का कोर्ट यह फैसला भारत के इंजीनियरिंग शिक्षा इतिहास में एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। यह न सिर्फ सीएसई की अंधी दौड़ को थामेगा, बल्कि बाकी इंजीनियरिंग शाखाओं को भी नया जीवन देगा।

जॉब अलर्ट

रेलवे सेक्शन कंट्रोलर की वैकेंसी

- पद का नाम - कंट्रोलर
- कुल पद - 368
- योग्यता - ग्रेजुएट
- अंतिम तिथि - 14/10/2025
- आधिकारिक साइट- indianrailways.gov.in

मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती

- पद का नाम - कांस्टेबल
- कुल पद - 7500
- योग्यता - 10 वीं
- अंतिम तिथि -29/09/2025
- आधिकारिक साइट- esb.mp.gov.in

बीपीएससी हेड ऑफ डिपार्टमेंट वैकेंसी

- पद का नाम - एचओडी
- कुल पद - 218
- योग्यता - इंजीनियरिंग
- अंतिम तिथि - 30/09/2025
- आधिकारिक साइट- bpsc.bihar.gov.in

एचएलएल लाइफकेयर (एचएलएल)

- पद का नाम - एचएलएल उप प्रबंधक
- कुल पद - 24
- योग्यता - बी.फार्मा, एमबीए/पीजीडीएम की डिग्री
- आयु सीमा - 37 वर्ष
- अंतिम तिथि - 01-10-2025
- आधिकारिक साइट-lifecarehll.com

एएआई जूनियर एग्जीक्यूटिव भर्ती

- पद का नाम - एएआई जूनियर एग्जीक्यूटिव
- कुल पद - 976
- योग्यता - बी.आर्क, बी.टेक/बीई, एमसीए
- आयु सीमा - 27 वर्ष
- अंतिम तिथि - 27-09-2025
- आधिकारिक साइट-aai.aero

टाइम मैनेजमेंट और स्ट्रैटजी से करें बैंक जॉब के सपने को साकार

बैंकिंग सेक्टर के प्रति युवाओं का क्रेज हमेशा से रहा है। जिन युवाओं का सपना बैंक में करियर बनाने का है उनके लिए बहुत ही सुनहरा अवसर है। हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने क्लर्क और अधिकारी के पदों पर 13217 भर्तियां निकली हैं। इसकी तैयारी करके युवा अपने बैंक जॉब के सपने को पूरा कर सकते हैं। आज हम आपको आरआरबी परीक्षा की तैयारी के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स बता रहे हैं, जो आपको परीक्षा क्रैक करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम को समझें

आईबीपीएस आरआरबी परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम की जानकारी होनी अति आवश्यक है। पाठ्यक्रम के अनुसार तैयारी के दौरान यह जरूरी होता है कि प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के लिए सभी विषय कवर हो जाएं।

- स्टडी प्लान बनाएं : किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए आपको स्टडी प्लान बनान बेहद जरूरी है, जिसमें सभी विषय शामिल होने चाहिए।
- शक्तियों और कमजोरियों पर फोकस करें : कमजोर विषय और टॉपिक की पहचान कर और उन पर पहले काम करें।
- स्पीड और सटीकता पर ध्यान दें : प्रश्नों को करने में शीघ्रता और सटीकता से हल करने का रोज अभ्यास करें।
- विषय का बेस मजबूत करें : सभी विषय का बेस मजबूत करें। विशेषतः रीजनिंग और क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड में अपना बेस मजबूत करें। साथ ही क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और रीजनिंग में उच्च-स्तरीय प्रश्नों का अभ्यास करें।
- नियमित रिवीजन : किसी परीक्षा को पास करने के लिए नियमित रिवीजन करना बेहद की आवश्यक है। यह दिन की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है। नियमित रूप से रिजीवन करने से आपकी तैयारी सही दिशा में बनी रहती है।

- भाषा कौशल में सुधार : व्याकरण, शब्दावली और समझ को बढ़ाएं।
- करेंट अफेयर्स की तैयारी : समसामयिक मामलों और बैंकिंग समाचारों से अपडेट रहें। प्री की परीक्षा की तैयारी के साथ ही मेन्स के लिए रोज करेंट अफेयर्स भी तैयार करते हुए चलें। साथ ही बैंकिंग, वित्त और समसामयिक मामलों के बारे में जानकारी रखें।
- नेतृत्व कौशल विकसित करें : चर्चा में भाग लें और नेतृत्व के बारे में पढ़ें।
- संचार कौशल में सुधार करें : अंग्रेजी में लिखने और बोलने का अभ्यास करें।
- समय प्रबंधन : परीक्षा की तैयारी और मॉक टेस्ट के दौरान कुशल समय प्रबंधन का अभ्यास करें, ताकि परीक्षा देते समय निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी प्रश्नों के हल कर लें।
- नियमित मॉक टेस्ट और विश्लेषण : सिर्फ मॉक टेस्ट देना ही काफी नहीं होगा, बल्कि गलतियों का विश्लेषण कर और सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें।
- अपने दिमाग को स्वस्थ रखें: परीक्षा की तैयारी के दौरान अपना खान-पान सही रखें। आहार में पौष्टिक चीजों को शामिल करें। पर्याप्त नींद लें, साथ ही पढ़ाई के दौरान कुछ मिनट का ब्रेक लें। सबसे महत्वपूर्ण बात ऐसी किसी भी तरह की गतिविधियों से बचें, जिसमें आपका दिमाग डायवर्ट होता हो।

कैसे बनाएं रणनीति

हर साल बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ, सही रणनीति का पालन, प्रश्नों की सटीकता पर ध्यान केंद्रित, समय का कुशल प्रबंधन करना और अपने स्कोर को अधिकतम करने के लिए मॉक टेस्ट के साथ अभ्यास करना बेहद महत्वपूर्ण है। चाहे आप ऑफिस असिस्टेंट या ऑफिसर स्केल पदों के लिए तैयारी कर रहे हों, विषयवार अभ्यास, समय प्रबंधन और मॉक टेस्ट का एक स्मार्ट मिश्रण आपको अपने लक्ष्य में सफलता दिला सकता है।

नई किताबें

एलटी ग्रेड टीजीटी के लिए श्रृंखला

- यूपी एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक (टीजीटी) प्री परीक्षा 2025-26 - विजय चक्र श्रृंखला पेपर 1: सामान्य अध्ययन (सामान्य अध्ययन), पेपर 2: कंप्यूटर, और पेपर 2: इतिहास (इतिहास) के लिए पूरी तैयारी प्रदान करती है, जो पूरी तरह से नवीनतम यूपीपीएससी पाठ्यक्रम पर आधारित है। पेपर 1 में 30+ अभ्यास सेट और हल किए गए पेपर 2018 शामिल हैं, जबकि पेपर 2 (कंप्यूटर और इतिहास) में हल किए गए पेपर 2018 के साथ प्रत्येक में 13 अभ्यास सेट हैं, जो पिछले परीक्षा रुझानों में व्यापक अभ्यास और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। कैप्सूल बेस्ट एजुकेटर नोट्स त्वरित याद के लिए संक्षिप्त, विषय-वार संशोधन प्रदान करते हैं। अद्यतन और परीक्षा-केंद्रित, सामग्री स्पष्ट स्पष्टीकरण और प्रगतिशील कठिनाई के साथ शुरुआती और उन्नत दोनों उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त है।

रीजनिंग के लिए उपयुक्त सामग्री

- आईबीपीएस बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख निकायों में से एक है, जो कई ऑनलाइन आधारित परीक्षणों के माध्यम से भाग लेने वाले बैंकों में उम्मीदवारों के निष्पक्ष और पारदर्शी चयन के लिए जिम्मेदार है। इसने हाल ही में प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) और मैनेजमेंट ट्रेनी (एमटी) के पद के लिए अपनी रोजगार अधिसूचना जारी की है, जो तीन चरणों में होगी- प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा और उसके बाद एक सामान्य साक्षात्कार। '20 साल' (2009-2000) अध्यायवार हल किए गए पेपर बैंक पीओ रीजनिंग 'के वर्तमान संस्करण को उन अभ्यर्थियों के लिए सावधानीपूर्वक संशोधित किया गया है, जो आईबीपीएस पीओ, एसबीआई पीओ, राष्ट्रीयकृत बैंक पीओ और अधिक जैसे बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। यह अभ्यास पुस्तक वैचारिक स्पष्टता के लिए 5000 से अधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ 20 अध्यायों में व्यवस्थित पर्याप्त मात्रा में हल किए गए प्रश्नपत्र प्रदान करती है। इसमें प्रैक्टिस सेट और 3 सॉल्व्ड पेपर भी शामिल हैं, जो अभ्यास को मजबूत करने और स्तर की प्रगति को ट्रैक करने और अभ्यर्थियों के कठिन और कमजोर क्षेत्रों को जानने में उनकी मदद करते हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न बैंक पीओ परीक्षाओं के लिए संपूर्ण अध्ययन संसाधन एक साथ लाते हुए। यह पुस्तक आरबीआई RBI ग्रेड I, आरआरबी स्केल I, बीमा क्षेत्र और अन्य परीक्षाओं के लिए भी उपयोगी है।